write its in class-work

नौबतखाने में इबादत -

X std HINDI

प्र० 1. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?

शहनाई की दुनिया में डुमराँव को निम्न कारणों से याद किया जाता है -

(i) डुमराँव प्रसिद्ध शहनाईवादक बिस्मिल्ला खाँ की जन्मभूमि है।

(ii) यहाँ सोन नदी के किनारे किनारे नरकट घास मिलती है, जिसकी रीड़ का उपयोग शहनाई बजाने के लिए किया जाता है।

2. बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

शहनाई मंगल ध्वनि का वाद्य है। भारत में जितने भी शहनाई वादक हुए हैं, उसमें बिस्मिल्ला खाँ का नाम सबसे ऊपर है। उनसे बढ़कर सुरीली शहनाई बजाने वाला कोई नहीं हुआ है। इसलिए उन्हें शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक कहा जाता है।

3. सुषिर वाद्यों से क्या अभिप्राय है? शहनाई को सुषिर वाद्यों का शाह क्यों कहा जाता है?

सुषिर वाद्यों का अभिप्राय है सुराख वाले वाद्य, जिन्हें फूँक मारकर बजाया जाता है। ऐसे छिद्र वाले वाद्यों में शहनाई सबसे मोहक एवं सुरीली होती है। इस कारण इसे सुषिर वाद्यों का शाह कहा जाता है।

4. काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन खाँ को व्यथित करते हैं?

काशी में हो रहे निम्न परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते हैं -

(i) सारी पुरानी परम्पराएँ लुप्त हो रही है।

(ii) मलाई बरफ आज गायब हो गई है।

(iii) घी में बनी कचौड़ी, जलेबी आज बाज़ार में नहीं मिलती

(iv) संगीत के लिए लोग अभ्यास नहीं करते हैं।

(v) गायकों एवं संगतकारों का सम्मान कर होता जा रहा है।

5. बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे। आप कैसे कह सकते हैं?

बिस्मिल्ला खाँ अपने मज़हब के प्रति समर्पित थे। वे अपने धर्म और उत्सवों के प्रति गंभीरता से आस्था रखते थे। वे पाँचों वक्त की नमाज़ अदा करते थे। मुहर्रम-तालिया में श्रद्धा से शिरकत करते थे। उसी श्रद्धा से बालाजी विश्वनाथ के मंदिरों में शहनाई बजाया करते थे। वे भेदभाव से ऊपर थे। इस प्रकार वे मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।

6. फटा सुर न बख्शें। लुंगिया का क्या है, आज फटी है तो कल सी जाएगी - ? का आशय क्या है?

इसका आशय यह है कि हे! खुदा सुर को अच्छा बनाए रखे। यदि सुर बिगड़ गया, फट गया तो सब कुछ चला गया क्योंकि लुंगी अगर फट गई तो सिली जा सकती है, परंतु सुर यदि फट गया तो बदला नहीं जा सकता है।

7. बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया है?

उनकी निम्न विशेषताएँ आपको हमें प्रभावित करती है।

(i) बनावटी पन से दूर एवं सादगी में विश्वास

(ii) धार्मिक उदारता- वे सभी धर्मों को आदर करता था।

(iii) काशी के प्रति श्रद्धा, एवं अथक परिश्रम के पुजारी।

(iv) धुन के पक्के। विनम्रता के साथ जीवन यापन करना।